KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 3

नियोजित विकास की राजनीति

भाग - 1

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

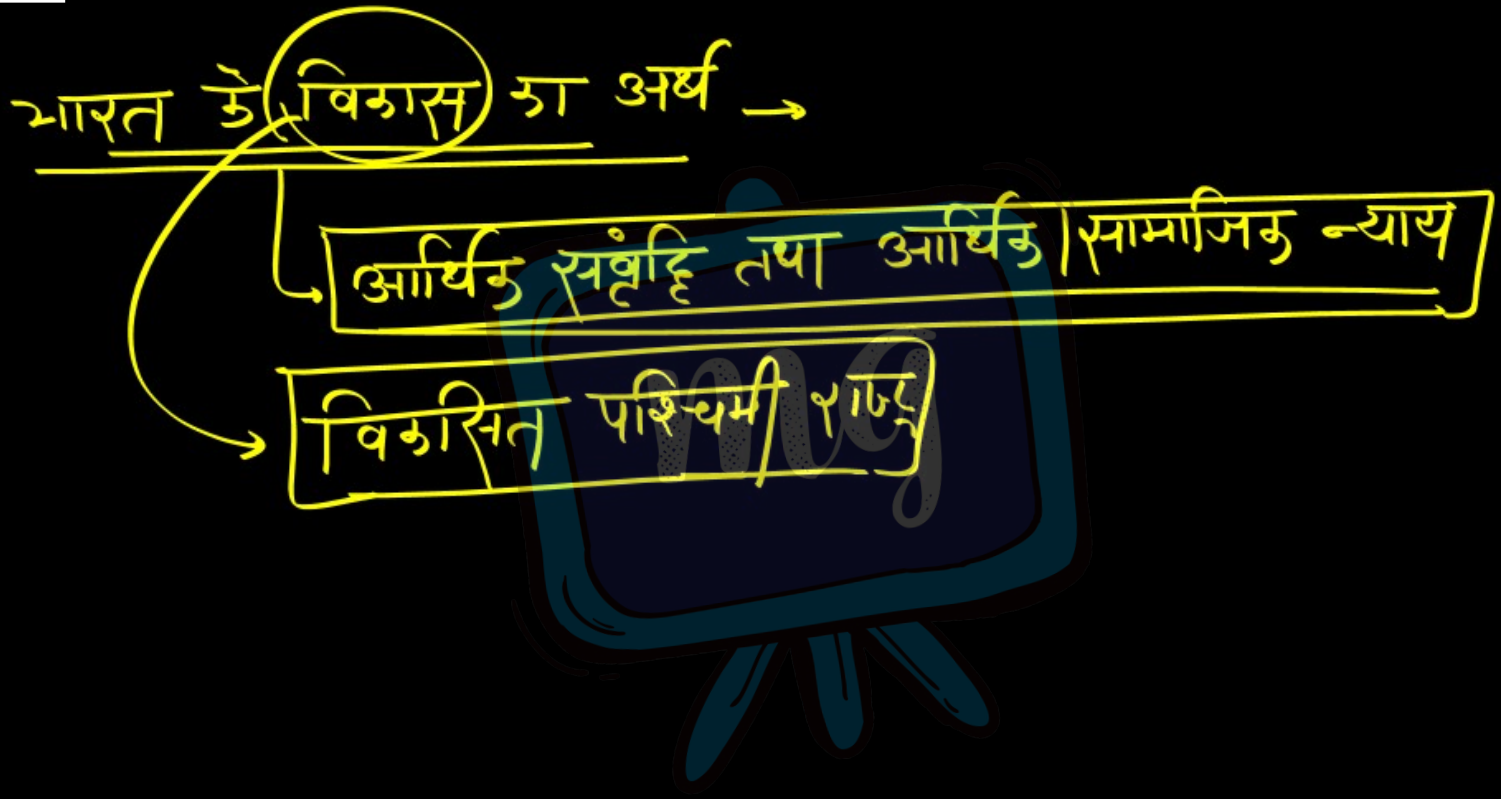
नियोजन :-

उपलब्ध संसाधनों के श्रेष्ठतम प्रयोग के लिए भविष्य की योजना बनाना।

के माध्यम से -
- उत्पादन में वृद्धि
- रोजगार के अवसरों में वृद्धि
- आर्थिक स्थिरता

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- आर्थिक विकास के कुछ बुनियादी सवालों पर किए गए राजनीतिक फैसलों को जानेंगे।
- विकास को लेकर मुख्य बहसें क्या थीं और इनको लेकर कौन से अहम फैसले हुए?
- पहले दो दशकों में हमारे नेताओं ने कौनसी रणनीति अपनाई और उन्होंने ऐसा क्यों किया?
- इस रणनीति की मुख्य उपलब्धियां क्या रहीं और इसकी सीमाएं क्या थीं?
- बाद के सालों में इस रणनीति को क्यों छोड़ दिया गया?

KOLORS
make life better

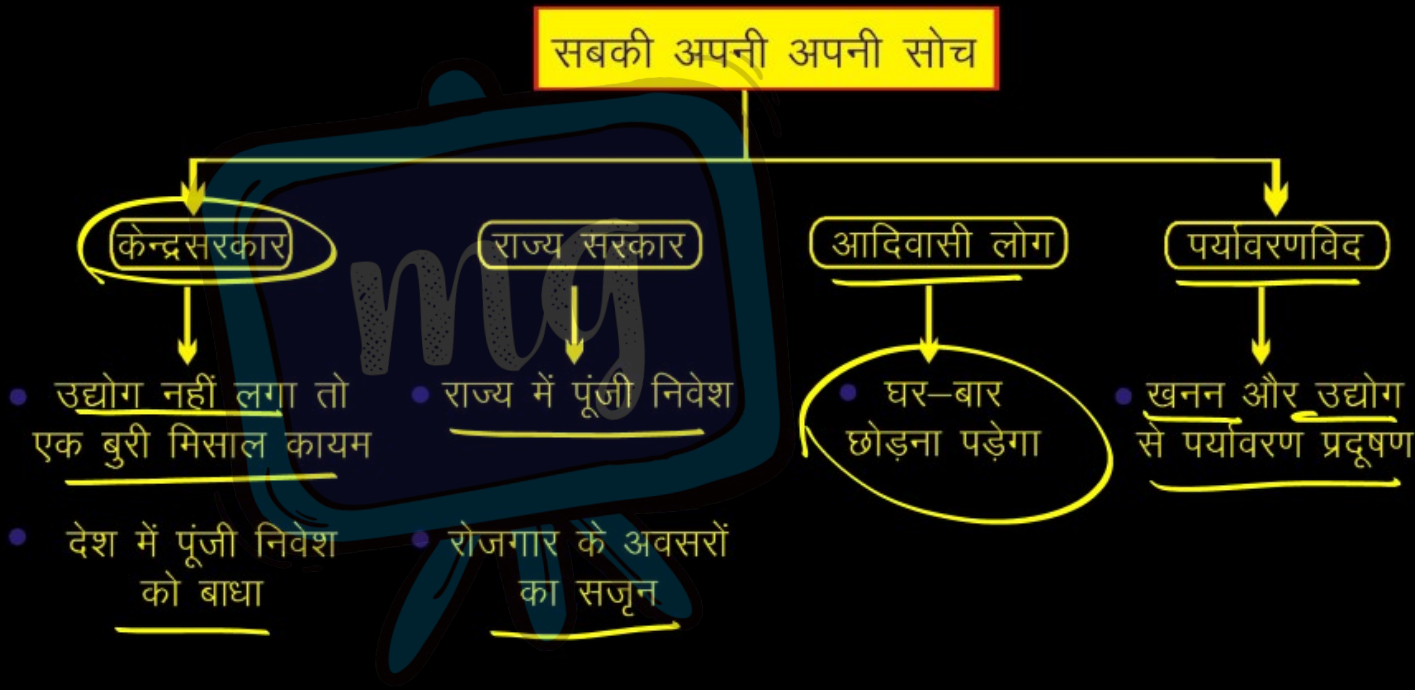
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उड़ीसा और अयस्क के भंडार
- इस्पात की विश्वव्यापी मांग
- उड़ीसा की राज्य सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय इस्पात निर्माताओं और राष्ट्रीय स्तर के इस्पात निर्माताओं के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विचार धारा — वामपंथी → ऐसे लोग जो गरीबो के भले की बात करते हैं

— दक्षिणपंथी → खुली प्रतिस्पर्धा

बाजार मूलक अर्थव्यवस्था

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में विकास के मॉडल :→

1. उदारवादी / पुंजीवादी मॉडल
2. साम्यवादी / समाजवादी मॉडल

→ मिश्रित अर्थव्यवस्था

KOLORS
make life better

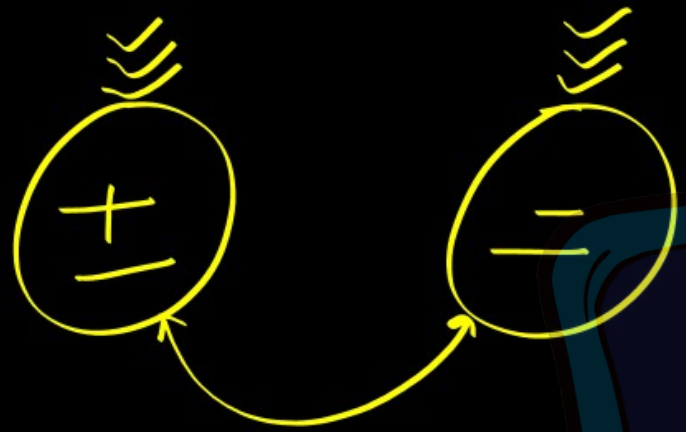
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस उदाहरण में किस तरह के हित सक्रिय?
- संघर्ष के अहम बिंदु कौन कौनसे हैं?
- ऐसा कौनसा बिन्दु? जिस पर सभी पक्ष राजी हो सकें।
- क्या इस मसले का समाधान इस तरह हो सकता है कि सभी के हित इससे जुड़े सभी हितों को संतुष्ट किया जा सकें?

इन सवालों के जवाब - कोई विशेषज्ञ नहीं दे सकता।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



क्या हो समाधान :-

- इस तरह के फैसलों में एक सामाजिक समूह के हितों को दूसरे सामाजिक समूह के हितों की तुलना में तौला जाता है।
- मौजूदा पीढ़ी के हितों और आने वाली पीढ़ी के हितों को भी मध्यनजर रखा जाता है।
- ऐसे फैसले जनता द्वारा लिए जाने चाहिए पर इन पर विशेषज्ञों की स्वीकृति लेना भी आवश्यक।
- अंतिम निर्णय राजनीतिक निर्णय ही होना चाहिए क्योंकि जन प्रतिनिधि ही जनता की भावनाओं को समझते हैं।